हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 208 देहरादून, बुधवार, 8 फरवरी, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

हैण्डसम मुख्यमंत्री पहले कराएं जॉच फिर परीक्षा : करन माहरा

3

आयुष्मान उत्तराखंड : मुफ्त उपचार पर खर्च हुई 12 अरब से अधिक की धनराशि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फरवरी। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण उत्तराखंड। प्रगति के आंकड़े और जन मानस के फीडबैक इस बात की तस्दीक करते हैं कि प्रदेश में संचालित आयुष्मान योजना जन कल्याण की अपेक्षाओं पर खरा उतर रही है। योजना के तहत अभी तक 6.67 लाख मरीजों ने मुफ्त उपचार सुविधा का लाभ उठाया है। इस पर सरकार की 1203 करोड़ से अधिक की राशि खर्च हुई है।प्रदेश के विभिन्न अस्तपालों से आ रहे फीड बैक ही आयुष्मान योजना का महत्व बताने के लिए काफी हैं। पूर्व में कई लोग आर्थिक बोझ के कारण बीमारी का उपचार नहीं करा पाते थे और अस्वस्थता के बावजूद भी अपने जीवन को जोखिम में डालने को विवश थे। लेकिन जब से आयुष्मान योजना शुरू हुई आर्थिक रूप से कमजोर लोगों भी बड़ा सहारा मिल गया।

किच्छा निवासी धनवीर बताते हैं कि मजदूरी करके वह अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। काम के दौरान हुए एक हादसे में वह घायल हुए। आयुष्मान योजना से उनका मुफ्त उपचार हुआ। वह कहते हैं कि यदि आयुष्मान योजना नहीं होती तो यह तय था कि वह विकलांग होकर रह जाते, और परिवार चलाना मुश्किल हो जाता। यानी उनकी आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वह स्वयं का इलाज करा पाते।

योजना के लाभार्थी पपलों निवासी भोपाल सिंह, चमोली की लक्ष्मी देवी, उत्तरकाशी के बमंड गांव निवासी गंगाराम, बूरा गांव निवासी गुनरीराम, हरिद्वार के अरूण कुमार समेत बड़ी तादाद उन लाभार्थियों की है जिनके सामने अस्वस्थता के दिनों में एक बेवशी और लाचारी खड़ी थी। इन लाभाथ्रियों का कहना है कि यदि आयुष्मान योजना नहीं होती तो अस्वस्थता का संकट जीवन के हालातों पर हावी हो जाता। योजना ने कई लोगों को फिर से स्वस्थ व खुशहाल जीवन का तोहफा दिया है तो कई मरीजों के लिए यह योजना प्राणदायिनी साबित हुई है। उपचारित मरीज गदगद भाव सरकार का आभार जताते हैं।

महज चार साल की समयावधि में प्रदेश में 49.72 लाख से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं। प्रदेश के ज्यादातर लोग मुफ्त उपचार सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। लाभ लेने वाले कुल मरीजों की तादाद 6.67 लाख से अधिक पहुंच गई है। योजना के अंतर्गत हुए लाभार्थियों के मुफ्त उपचार पर सरकार की 1203 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च हो चुकी है।

उत्तराखंड में आयुष्मान योजना पर एक नजर -

6.67 लाख से अधिक मरीजों ने लिया योजना का लाभ

1203 करोड़ से अधिक धनराशि हुई मुफ्त उपचार पर खर्च 47.72 लाख से अधिक बन चुके हैं आयुष्मान कार्ड धारक

223 अस्तपाल प्रदेश में योजना के अंतर्गत हैं सूचीबद्ध सरकारी/निजी

30 हजार से अधिक अस्पताल देशभर में हैं सूचीबद्ध

₹आम जनमानस के जीवन से जुड़ी आयुष्मान योजना टूटती सांसों से बिखरती उम्मीदों को फिर से समेटने का अतुलनीय कार्य कर रही है। यह जन कल्याण का एक वह मुकाम जहां मूल्य और मायने सिर्फ इंसानियत के ही शेष बचते हैं। हमें प्रसन्नता है कि प्रदेश में आयुष्मान योजना सराहना के स्तर को हासिल कर रही है। जन स्वास्थ्य हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। लाभार्थियों को बेहतर से बेहतर सुविधा हर हाल में मिले।हमारी कोशिश है कि प्रदेश में शत-प्रतिशत लोगों के आयुष्मान कार्ड बन जाएं। ताकि संजीवनी, प्राणदायिनी जैसे अलंकरणों को सुशोभित करने वाली आयुष्मान योजना का लाभ सभी को मिल सके।₹ - डा धन सिंह रावत, स्वास्थ्य मंत्री उत्तराखंड

काश्तकारों का मुआवजा समय पर दिया जाए : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फरवरी। प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन,एवं संस्कृति सतपाल महाराज ने लोक निर्माण विभाग की बैठक में विधानसभावार द्वितीय चरण स्टेज 2 सड़कों की वर्ष 2022 से अब तक की कार्य प्रगति के साथ-साथ अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग तथा वन विभाग को भूमि स्थानांतरण से संबंधित कार्यों की समीक्षा करने के अलावा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि काश्तकारों का मुआवजा समय पर दिया जाए और विभिन्न खंडों से संबंधित देनदारियों का तत्काल भुगतान किया जाए।

मंत्री सतपाल महाराज ने विधानसभा में लोक निर्माण विभाग की बैठक में विधानसभावार द्वितीय चरण स्टेज-2 सड़कों की वर्ष 2022 से अब तक की कार्य प्रगति के साथ-साथ अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग तथा वन विभाग को भूमि स्थानांतरण से संबंधित कार्यों की समीक्षा की। लोक निर्माण मंत्री ने पूरे प्रदेश में प्रांतीय व निर्माण खंडो की विस्तृत जानकारी लेने के साथ-साथ आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) के अंतर्गत आवंटित धनराशि व उनके खर्चों की स्थिति की जानकारी अधिकारियों से मांगी।लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से अपने विधानसभा क्षेत्र चौबट्टाखाल में एसडीआरएफ के अंतर्गत सड़कों की मरम्मत, पुनर्निर्माण तथा पैंच कार्य हेतु विभिन्न खंडों में खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा तलब करने पर अधिकारियों ने बताया कि परिसंपत्तियों की मरम्मत, पुनर्निर्माण, पैंच कार्य, यातायात खोलने और मलबे आदि की सफाई पर निर्माण खंड पौडी, प्रान्तीय खण्ड लैसडाऊन, निर्माण खंड बैंजरो और निर्माण खंड पाबौ ने 2 करोड़ 55 लाख 47 हजार की धनराशि के कार्य कार्य करने के साथ-साथ कुछ स्थानों पर अभी कार्य चल रहा है। इसके अतिरिक्त सामान्य अनुरक्षण मद के तहत पैच वर्क हेतु 6 करोड़ की धनराशि के के कार्य किए गए हैं। जबकि एन.पी.बी. तथा भूमि अर्जन मद के अंतर्गत निर्माण खंड पौडी, प्रान्तीय खण्ड लैसडाऊन, निर्माण खंड बैंजरो को 1करोड़ 88 लाख 81 हजार की धनराशि आवंटित की गई है।

बैठक के दौरान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पीएमजीएसवाई से लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित सड़कों के रखरखाव हेतु पौड़ी, लैंसडौन, बेंजारो और पाबौ हेतु 31 करोड़ 1 लाख 63 की धनराशि के प्रस्ताव शासन को भेजी गई हैं।विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में द्वितीय चरण stage-2 की स्वीकृति प्राप्त के पश्चात व्यापारियों का विवरण तलब करते हुए लोक निर्माण मंत्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अति शीघ्र कार्यों को संपन्न करवाया जाए। उन्होने अधिकारियों को राज्य योजना के अंतर्गत जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट में बंदरलीमा हडखोला मोटर मार्ग के द्वितीय चरण स्टेड-2, मुख्यमंत्री योजना के अंतर्गत जनपद उधम सिंह नगर के विधानसभा क्षेत्र सितारगंज शहर में आंतरिक मार्गों के निर्माण, ग्राम पाडली गुज्जर तैल्लीवाला में सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा सड़क निर्माण, ग्राम मुबारकपुर में सीसी इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क निर्माण और बहादराबाद-धनौरी-पिरान-कलियर भगवानपुर-गागलहेड़ी राज्य मार्ग ग्राम हमीरपुर तुर्रा में सी.सी. इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा मार्ग निर्माण प्रक्रिया को पूरा कर शीघ्र कार्य करने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता अयाज अहमद, वन विभाग के सीसीएफ सुशांत पटनायक, पौडी लोनिवि चीफ इंजीनियर दयानंद, ए.ई. पी.एस. बृजवाल, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर डी.एस. एग्जीक्यूटिव इंजीनियर विवेक प्रसाद सेमवाल, पी.एस. बंसल, एनएच के डी.के. यादव, नवनीत पांडे, निर्भय सिंह और मुकेश परमार आदि मौजूद थे।

दुनिया का सबसे महंगा गुलाब, कीमत है 112 करोड़

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , जूलियट रोज दुनिया का सबसे महंगा गुलाब है। इसे खरीदने के बारे में सोचकर बड़े से बड़े रईसों के भी पसीने छूट जाते हैं।एक वक्त पर इस गुलाब की कीमत 80 से 90 करोड़ रुपए के बीच रही है। अब जूलियट गुलाब कुछ हद तक इससे कम दाम का हो गया है। दुनिया का सबसे महंगा गुलाब, कीमत है 112 करोड़ , वैलेंटाइन डे वीक चल रहा है. इस वीक के पहले दिन मनाए जाने वाले रोज डे के अलावा भी इस सप्ताह में गुलाबों का बहुत महत्व है. किसी स्नेही से मिलने पर अगर उसे गुलाब ना दें तो मन को संतुष्टि कहां होती है. वैसे भी गुलाब फूलों का राजा माना जाता है. इस खास फूल की भी दुनिया भर में बहुत सी किस्में हैं. इन्हीं में से एक किस्म का गुलाब ऐसा भी है जिसकी कीमत किसी कीमती हीरे से भी ज़्यादा है.

जूलियट रोज है बेहद खास

आप सबने कभी ना कभी गुलाब जरूर खरीदा होगा लेकिन क्या आपने कभी किसी गुलाब की कीमत 100 करोड़ से ज़्यादा की सुनी है? जी हां सही सुना, हम यहां बात कर रहे हैं दुनिया के सबसे महंगे गुलाब की. अपनी खूबसूरती और खास खुशबू के कारण दुनियाभर में प्रसिद्ध इस गुलाब का नाम जूलियट रोज है. ..... फाइनेंस ऑनलाइन की एक रिपोर्ट की मानें तो एक जूलियट रोज कीरब 112 करोड़ रुपये में बिकता है. बेहद कठिन खेती के बाद पैदा होने वाला ये गुलाब अपने मलिक से खूब मेहनत कराने के लिए जाना जाता है. 2006 में दुनिया ने इस जूलियट रोज की पहली झलक ददेखी थी. डेविड ऑस्टिन गुलाब पर प्रयोग और इससे जुड़ी खेती करने के लिए जाने जाते हैं.

उन्होंने ही इस खास किस्म के रोज को उगाया था. रिपोर्ट के अनुसार डेविड ने इस जूलियट रोज को कई तरह के गुलाब मिलाकर तैयार किया था. उन्होंने बहुत से गुलाबों की मदद से गुलाब की ये सबसे महंगी किस्म तैयार कर दी और इसे नाम दिया जूलियट रोज.कहने में ये जितना आसान लग रहा है उससे कहीं ज़्यादा मुश्किल है इस फूल को उगाना. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो डेविड को जूलियट रोज उगाने में करीब 15 साल का वक्त लगा था. ये खास तरह की प्रजाति वाला गुलाब एप्रिकोट-ह्यूड हाइब्रडि के नाम से जाना गया. 2006 में जो डेविड पहला जूलियट रोज दुनिया के सामने लाए थे. उस समय इस गुलाब की

कीमत 90 करोड़ रुपये थी.

ये खूबसूरत गुलाब अपनी खास किस्म की खूशबू के लिए जाना जाता है. डेविड ऑस्टिन ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इस गुलाब की खुशबू का जिक्र किया है. उसमें बताया गया है कि इस जूलियट रोज की खुशबू हल्की है और ये किसी परफ्यूम की तरह महसूस होती है. ये खुशबू ज्यादातर लोगों को पसंद आई है. यही वजह है कि इसके इतने महंगे दाम में इसकी खुशबू की भी अहम भूमिका है.

क्या आप जानते हैं अनहैप्पी मैरिज लाइफ के फायदे ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फरवरी , क्या आप जानते हैं कि तलाक लेने या सिंगल रहने से बेहतर एक अनहैप्पी मैरिज लाइफ होती है. ये हम नहीं सामने आई एक रिसर्च कह रही है जिसके मुताबिक अगर शादीशुदा लाइफ जीने वालों की सेहत दूसरों के मुकाबले ज्यादा दुरुस्त रहती है.कार्लटन यूनिवर्सिटी की साइंटिस्ट केथरिन फोर्ड कहती हैं कि शादी या लव रिलेशनशिप को लॉन्ग टर्म तक चलाने के लिए इमोशनली अटैच होना बहुत जरूरी है. एक्सपर्ट्स ने कहा जो ब्रेकअप या तलाक को फेस करने के बाद रिलेशनशिप में आए उनमें भी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा कम आंका गया.

क्या आप जानते हैं कि तलाक लेने या सिंगल रहने से बेहतर एक अनहैप्पी मैरिड लाइफ होती है. ये हम नहीं सामने आई एक रिसर्च कह रही है जिसके मुताबिक शादीशुदा लाइफ जीने वालों की सेहत दूसरों के मुकाबले ज्यादा अच्छी रहती है. अंग्रेजी वेबसाइट डेलीमेल में छपी खबर में इस रिसर्च का जिक्र किया गया है. शोध के मुताबिक जो लोग सिंगल या तलाकशुदा होते हैं उनमें ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाने के ज्यादा आसार होते हैं. दरअसल, कपल एक-दूसरे की डाइट से लेकर कई चीजों का ध्यान रखते हैं और इस कारण मैरिड लोगों का स्वास्थ्य थोड़ा बेहतर होता है.

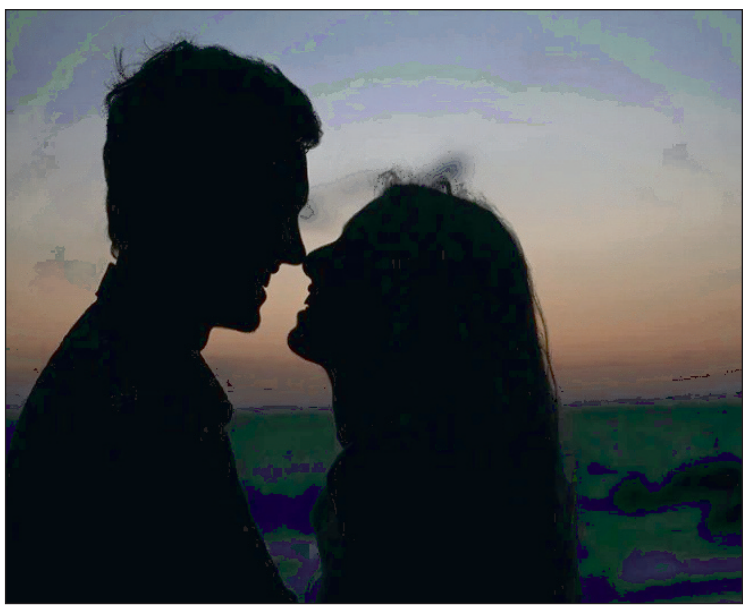

इससे पहले सामने आई रिसर्च में भी बताया गया कि शादीशुदा लाइफ के कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं. जैसे आप लंबी उम्र जी पाते हैं क्योंकि हार्ट अटैक, डिप्रेशन का रिस्क कम होता है और इस रूटीन में आसानी से हेल्दी चीजें खाई जा सकती हैं. ये रिसर्च English Longitudinal Study of Ageing ने किया है जिसमें 50 से 89 साल की उम्र वाले 3300 लोगों को शामिल किया गया.

शोधकर्ताओं ने लोगों से पूछा कि उनकी लाइफ में पति, पत्नी या पार्टनर है या नहीं. करीब 76 फीसदी ने इस सवाल का जवाब हां में दिया. इसके अलावा उनसे रिलेशनशिप के अनुभव को लेकर भी सवाल किए गए. हर चार साल में सभी के ब्लड सैंपल लिए गए और ये देखा गया कि इस तरह की लाइफ में ब्लड शुगर का लेवल कैसा रहता है. इसका रिजल्ट आया कि सिंगल रहने वालों के मुकाबले मैरिड लाइफ वालों का ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहा.

1 घंटे में पागल कर देता है दुनिया का सबसे शांत कमरा

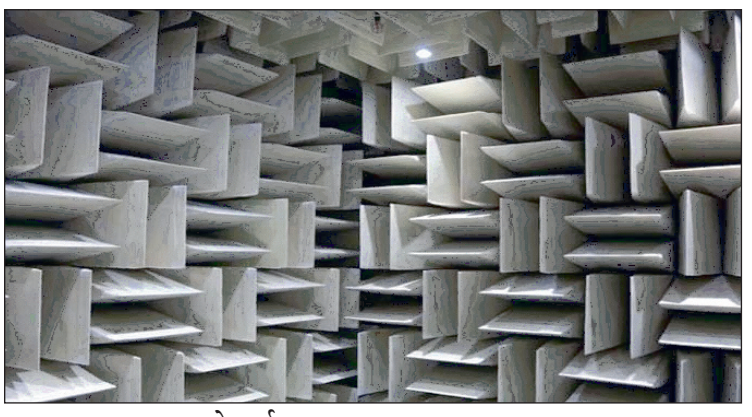

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , वॉशिंगटन में एक बिल्डिंग के अंदर ऐसा कमरा मौजूद है जिसे दुनिया का सबसे शांत कमरा (Quietest room in the world) कहा जाता है। ये इतना ज्यादा शांत है कि यहां कोई आज तक 1 घंटे से ज्यादा नहीं ठहर पाया क्योंकि जिसने भी ज्यादा समय बिताने की कोशिश की वो डर की वजह से यहां से भाग निकला। गिनीज बुक ने इस कमरे को दुनिया का सबसे शांत कमरा भी घोषित कर दिया है।

ज्यादा देर रुके तो हो सकते हैं पागल

दरअसल, रेडमंड स्थित माइक्रोसॉफ्ट हेडक्वार्टर में बने इस एको चैंबर में इतनी शांति होती है कि दिल की धड़कन तो छोड़िए आपको अपनी रगों में बहता खून भी सुनाई देने लगेगा। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक इस चैंबर में बैकग्राउंड नॉइस इंसानों की सुनने की क्षमता से 20 डेसीबल तक कम है। दावा किया जाता है कि कुछ देर में लोग यहां बुरी तरह से बेचैन होने लगते हैं, यहां किसी भी आवाज की गूंज की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में यहां इतनी ज्यादा शांति होती है कि आपको दिल की धड़कन, रगों में खून बहना और अपनी हड्डियां की आवाजें तक जोर-जोर से सुनाई देने लगती हैं।

इस वजह से बनाया गया था ये कमरा

आप यहां की शांति का अंदाजा इसी बात से लगा सकते है कि एक शांत कमरे में 10 डेसीबल पर ही हमें अपनी सांसें सुनाई देने लगती हैं पर माइक्रोसॉफ्ट के इस कमरे में माइनस 20.3 डेसीबल की शांति होती है। इस चैंबर को माइक्रोसॉफ्ट के लिए 2015 में हुंडराज गोपाल ने बनाया था। उनके मुताबिक इस चैंबर को कंक्रीट और स्टील की 6 दीवारों को मिलाकर बनाया है, जिससे ये पूरी दुनिया से अलग बने एक बंकर जैसा है। इसे कई साउंड उपकरणों को टेस्ट करने के लिए बनाया गया था। इस कमरे के अंदर अगर किसी ने अधिकतम समय गुजारा है तो वो है 55 मिनट।

हैण्डसम मुख्यमंत्री पहले कराएं जॉच फिर परीक्षा : करन माहरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फरवरी। उत्तराखण्ड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा ने उत्तराखण्ड राज्य अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, सहकारिता विभाग, शिक्षा विभाग, सचिवालय रक्षक, न्यायिक सेवा, खन्न यूकेएसएससी, सहित विभिन्न विभागों की भर्तियों में हुए भारी भ्रष्टाचार व घोटाले को लेकर राज्य सरकार पर हमला बोला। माहरा ने कहा कि कांग्रेस देश में बढती हुई बेरोजगारी के प्रति संवेदनशील हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि वर्तमान में उत्तराखण्ड में विभिन्न विभागों की भर्तियों में जो घोटाले हुए हैं उन भर्तियों के घोटाले के सम्बन्ध में उनके द्वारा उत्तराखण्ड की विधानसभा में हाकम सिंह रावत और अधीनस्थ चयन आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष आर.बी.एस. रावत के संलिप्त होने का मामला उठाया गया था जिस पर तत्कालीन संसदीय कार्यमंत्री स्व0 प्रकाश पंत द्वारा इन भर्तियों में घोटाला तथा अभियुक्तों में आपस में सांठ-गांठ होने की स्वीकारोक्ति सदन में ही की गई थी, परन्तु सरकार द्वारा जांच के नाम पर लीपा-पोती की गई। ऐसे कई और भर्ती प्रकरण हैं जो निष्पक्ष जांच के उपरान्त ही खुलेंगे इनसे जुडे सफेदपोश और नौकरशाहों के चेहरे सामने आने ही चाहिए।

करन माहरा ने कहा कि भय-भ्रष्टाचार मुक्त सरकार का दावा करने वाली उत्तराखण्ड की डबल इंजन सरकार सरकारी नौकरियों में भ्रष्टाचार रोकने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है। राज्य सरकार द्वारा नौजवानों को रोजगार मुहैया कराना तो दूर जिन सरकारी पदों पर अभी तक भर्तियां की भी गई हैं उनमें भारी भ्रष्टाचार एवं भाई भतीजावाद को अंजाम दिया गया है। उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से वीपीडीओ एवं अन्य पदों के लिए हुई भर्ती परीक्षा में 15-15 लाख रूपये लेकर पेपर लीक कर नौकरियां बेचने का मामला राज्य के सरकारी विभागों की भर्तियों में भारी भ्रष्टाचार का जीता-जागता प्रमाण है।

माहरा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा यूकेएसएससी भर्ती घोटाले के बाद बडी आशाओं व अपेक्षाओं से अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से भर्ती परिक्षायें लोक सेवा आयोग को स्थानान्तरित की गई परन्तु इसे राज्य का दुर्भाग्य ही कहा जा सकता है कि वहां भी भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। नये साल की बात करें तो पहले ही महिने में पटवारी लेखपाल तथा एई और जेई की परिक्षायें लीक हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आयोग के अति गोपन विभाग में कार्यरत तीन अनुभाग अधिकारियों में से दो पर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। ऐसे में राज्य सरकार को परिक्षायें कराने की जल्दी क्यों है? जब अभ्यर्थियों को इन परिक्षाओं की निष्पक्षता और पादर्शिता पर ही संदेह है।

माहरा ने कहा कि लगातार इस भ्रष्टाचार में भाजपा के जिम्मेदार पदाधिकारियों का पकड़ा जाना कांग्रेस की भविष्यवाणी पर मुहर लगाता है। माहरा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले दिन से भर्ती परिक्षाओं में सत्तारूढ दल के नेताओं की संलिप्त होने की आशंका जता रही थी। माहरा ने कहा कि इस पूरे कौतूहल के बीच परीक्षा कराने की जिद पर आयोग और सरकार क्यों अडी है यह समझ से परे है। जॉच और परिक्षायें साथ-साथ कैसे हो सकती है? माहरा ने कहा कि आयोग की पहली प्राथमिकता प्रदेश के नौजवानों का विश्वास जीतना होनी चाहिए। माहरा ने अंदेशा जताया कि आनन फानन में सभी नियमों को ताक में रखकर अपने चहेतों को लाभ पहुँचाने की मंशा से यह परिक्षायें कराई जा रही हैं।

माहरा ने कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को सबसे हैण्डसम मुख्यमंत्री होने का खिताब मिला है उसके लिए उन्हें बधाई परन्तु राज्य में बहुत हैण्डसम एमाउण्ट में भ्रष्टाचार भी हो रहा है उस पर भी ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है। माहरा ने जॉच ऐजेन्सियों से नाराजगी जताते हुए कहा कि समाचार पत्रों के माध्यम से कांग्रेस के लोगों का भी इस भ्रष्टाचार में संलिप्त होने की बात कही गई थी परन्तु आज दो दिन बीत जाने के बावजूद भी नाम उजागर नही किये गये हैं। माहरा ने कहा कि हिट एण्ड रन की पॉलिसी नही चलेगी। यदि कांग्रेस के लोग इस कुकृत्य में शामिल हैं तो उनका नाम ना सिर्फ उजागर होना चाहिए बल्कि उनकी गिरफतारी भी होनी चाहिए। माहरा ने मांग की कि नैतिकता के आधार पर लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को इस्तीफा दे देना चाहिए और इन भर्ती परिक्षाओं के लीक होने में संलिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

पत्रकार वार्ता के दौरान पूछे गये सवाल के जबाव में माहरा ने कहा कि सरकार बताये कि ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित होने के बाद से आजतक गैरसैण में एक दिन भी सत्र क्यों नही चला? माहरा ने अपेक्षा की कि सोमबार जो कि मुख्यमंत्री के विभागों का दिन होता है पिछले छः वर्षो से सोमबार के दिन सत्र नही चला है इस बार राज्य को अपेक्षा है कि मुख्यमंत्री अपने विभागों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए नजर आयेंगे। पत्रकार वार्ता में उपाध्यक्ष संगठन मथुरा दत्त जोशी, महामंत्री संगठन विजय सारस्वत, मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी, प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट, लक्ष्मी अग्रवाल, राजेश चमोली एवं नीरज त्यागी उपस्थित रहे।

समाज के हर वर्ग का ध्यान इस बजट में रखा गया : गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बाजपुर, 7 फरवरी , प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने ऊधम सिंह नगर में भारत सरकार के इस बजट को ऐतिहासिक और जनकल्याणकारी बजट बताया। मंत्री जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अब तक देश में अनेकों विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा प्रति व्यक्ति आय करीब 9 वर्षों में दोगुनी होकर 1.97 लाख रुपये हो गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा है और यह पिछले 9 साल में विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यस्था बन गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में सदस्यों की संख्या दोगुनी से अधिक होकर 27 करोड़ तक पहुंच गई है।

वर्ष 2022 में यूपीआई के माध्यम से 126 लाख करोड़ रुपये के 7,400 करोड़ डिजिटल भुगतान किए गए हैं। मंत्री जोशी ने कहा पीएम सम्मान किसान निधि के तहत 11.4 करोड़ किसानों को 2.2 लाख करोड़ रुपये का नकद हस्तांतरण किया गया। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि अमृत काल के इस बजट में तीन साल में देश के 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के गुर सिखाए जाएंगे। कृषि स्टार्टअप के लिए सरकार 'डिजिटल एक्सीलेटर फंड कृषि निधि बनाया जाएगा। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र के लिए कर्ज के लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा। गोबर धन स्कीम के तहत ₹10,000 Cr खर्च किये जायेंगे इसी प्रकार माइक्रो फर्टिलाइजर की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा ।रासायनिक खाद के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए पीएम प्रणाम योजना की शुरुआत होगी। मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूट्स ऑफ मिलेट्स बनेगा देश में 10 हजार बायो इनपुट रिसर्च सेंटर स्थापित होंगे।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा इस साल के बजट में देवभूमि उत्तराखंड को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की तरफ से सौगात मिली है। उन्होंने कहा 2023-24 के लिए रेलवे को 5004 करोड़ के बजट का प्राविधान किया गया है। मंत्री जोशी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के इस प्रयास से उत्तराखंड आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की ओर प्रगतिशील हो रहा है। उन्होंने कहा यह एक विकासोन्मुखी बजट है, इससे कुछ ही वर्षों के भीतर भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। मंत्री जोशी ने देश के विकास और कौशल के लिए उठाए गए कदम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन जी का आभार व्यक्त किया।

मंत्री जोशी ने कहा समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे और निवेश, क्षमता विस्तार हरित विकास, युवा शक्ति, और वित्तीय क्षेत्र को समर्पित ये बजट, अमृत काल के विजन को साफ़ तौर पर बताता है। इस बजट के जरिए देश का हर एक वर्ग आगे बढ़ेगा। साथ ही इस बार का बजट 'सबका साथ सबका विकास' के मंत्र पर पेश किया गया है। मंत्री जोशी ने कहा बजट से प्रदेश के राजस्व में ढाई हजार करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। निश्चित ही यह समावेशी बजट आधुनिक भारत के नव निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। पत्रकार वार्ता से पूर्व बाजपुर पहुंचने पर पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री जोशी का भव्य स्वागत भी किया।

राज्यपाल ने हाईटेक एनआईसीयू एंबुलेंस को दिखाई हरी झंडी

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट की एनआईसीयू की हाईटेक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य में इस तरह के अत्याधुनिक उपकरणों से लैस एबुलेंस से नवजात बच्चों को समय पर इलाज मिल सकेगा। मंगलवार को राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल लेफ्टिनेंट (जनरल सेनि) गुरमीत सिंह और एसआरएचयू के कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने एनआईसीयू की हाईटेक एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर सेवा का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने हिमालयन हॉस्पिटल के प्रयासों की सराहना करते हुए एंबुलेंस में मौजूद सुविधाओं का निरीक्षण किया। एनआईसीयू विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश गुप्ता ने राज्यपाल को एंबुलेंस में मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी।

राज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना चुनौती है, ऐसे में हिमालयन हॉस्पिटल ने एक अच्छा कदम उठाया है। एनआईसीयू की यह हाईटेक एंबुलेंस मैदानी ही नहीं पहाड़ी क्षेत्र के लिए भी वरदान साबित होगी। कुलपति डॉ.विजय धस्माना ने कहा कि यह हाईटेक एंबुलेंस शिशु मृत्यु दर को घटाने में मददगार साबित होगी। इस दौरान प्रति कुलपति डॉ. विजेंद्र चौहान, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसएल जेठानी, डॉ. अशोक देवराड़ी आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड पुलिस कैदियों को सीखा रही कंप्यूटर, सही राह दिखाने की मुहिम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , उत्तराखंड की अल्मोड़ा जेल में बंद कैदियों को इन दिनों कंप्यूटर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है... आपको बता दें कि अल्मोड़ा की जेल ऐतिहासिक जेलों में गिनी जाती है. देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के अलावा कई स्वतंत्रता सेनानी इस जेल में रह चुके हैं. वर्तमान में जेल में करीब 370 कैदी हैं, जो सजा काट रहे हैं. इनमें से 16 बंदियों को कंप्यूटर की ट्रेनिंग दी जा रही है. कैदियों को सही रास्ते पर लाने के लिए जेल अधीक्षक जयंत पांगती ने यह पहल की है.

पहले मशरूम उत्पादन अब कंप्यूटर प्रशिक्षण

अल्मोड़ा जेल में अधीक्षक जयंत पांगती ने इससे पहले भी कई कार्यक्रम शुरू कराकर कैदियों के उत्थान की कोशिश की हैं. पहले जेल रेडियो, उसके बाद मशरूम उत्पादन और अब कंप्यूटर प्रशिक्षण कैदियों को दिया जा रहा है. अल्मोड़ा की जेल में इन दिनों कैदी कंप्यूटर सीख रहे हैं. कैदियों को कंप्यूटर की शुरुआत से लेकर अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं. सुबह 8 बजे से लेकर 11 बजे तक यहां कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है.

20 से ज्यादा कैदियों को दी जा चुकी ट्रेनिंग : जेल अधीक्षक ने बताया कि जेल में 5 कंप्यूटर आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के द्वारा लगाए गए हैं, जिन्हें उनके द्वारा ट्रेनिंग दी जाती है. यहां के कैदियों को बेसिक से लेकर टाइपिंग और अन्य चीजें सिखाई जा रही हैं, जिससे आने वाले समय में जब वे जेल से बाहर जाएं, तो वह खुद का रोजगार या फिर सीएससी सेंटर आदि खोल सकें. जेल अधीक्षक ने बताया कि करीब 20 से ज्यादा कैदी कंप्यूटर ट्रेनिंग ले चुके हैं. उनका ऑनलाइन टेस्ट लिया गया, जिसमें से अधिकतर कैदी ट्रेनिंग में पास हो गए. भविष्य में अन्य कैदियों को भी ट्रेनिंग लगातार दी जाएगी.

देहरादून LIC बिल्डिंग पर महिला कांग्रेस का हल्लाबोल प्रदर्शन

एक व्यक्ति की खातिर जनता को दे रहे धोखा : ज्योति रौतेला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 फ़रवरी , अडानी समूह पर गुस्सा एलआईसी का मुख्यालय और महिला कांग्रेस का ज़ोरदार प्रदर्शन ..... आज देहरादून में एक बार फिर विपक्ष की मातृशक्ति का हल्लाबोल प्रदर्शन और सड़कों पर नारेबाजी ने मामले को और भी गरमा दिया है। राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा में आगे आगे रहने वाली उत्तराखंड की महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने अपनी महिला ब्रिगेड टीम को ज्वलंत मुद्दे पर एकत्र किया और निकल पड़ी धर्मपुर में मौजूद एलआईसी मुख्यालय की ओर सुबह सड़कों पर महिलाओं के इस हुजूम ने केंद्र सरकार द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम, भारतीय स्टेट बैंक एवं अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से अपने उद्योगपति मित्र अडानी समूह में जबरदस्ती कराये जा रहे निवेश के खिलाफ प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में भारतीय जीवन बीमा निगम कार्यालय में प्रदर्शन किया।

महिला कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा अडानी समूह को एलआईसी शाखा के बाहर अडानी द्वारा जनता के पैसे की लूट के विरोध में मोदी सरकार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि सरकार जिस तरह अडानी मामले पर सदन में चर्चा नहीं कर रही है उनकी चुप्पी अडानी के प्रति उनका प्रेम दिख रहा है मगर हम जनता के पैसों का हिसाब सरकार से मांगेंगे। संसद में इन प्रश्नों को संसद सदस्य राहुल गांधी उठायेंगे।

प्रदेश कांग्रेस महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि केन्द्र सरकार जिस तरह अपने चहेतों की मदत कर रही है उससे आर्थिक तंगी व गरीबी को बढ़ा रही है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, पार्षद उर्मिला थापा ढौंडियाल, मीना बिष्ट, चंद्र कला नेगी, पुष्पा पाँवार, अनुराधा तिवारी, रेखा ढींगरा, लक्ष्मी कौशल, बुशरा, चारजोत कौर, सुशीला, रामप्यारी, सर्वेश्वरी, अंजू भारती, ख़ुशी आदि सहित सैकड़ों की तादाद में महिलाओं ने प्रदर्शन किया

डिओ स्प्रे से हो जाएं सावधान यहां हुई लड़की की हुई मौत !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फरवरी , डियोड्रेंट्स (Deodorants) भी मेकअप किट और ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह लोगों की जिंदगी का जरूरी हिस्सा बन गए हैं. ब्यूटी क्रीम और हेयर सीरम की तरह कई तरह के डिओ भी मार्केट में मौजूद हैं. हालांकि, अच्छी खुशबू देने वाले डियो में कई सारे हानिकारक केमिकल्स पाए जाते हैं, जो हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदायक हैं. बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के डर्बी शहर में एक 14 साल की लड़की की डिओड्रेंट के कारण मौत हो गई है. इस लड़की ने डिओड्रेंट को इनहेल किया था, जिसके कारण इसकी मौत हो गई. रिपोर्ट्स के मुताबिक, बेडरूम में डियो स्प्रे करने के बाद लड़की को हार्ट अटैक आ गया था.

क्या डियोड्रेंट्स से मौत हो सकती है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, लड़की की मौत का मेडिकल कारण ऐरोसोल को इनहेल करना बताया जा रहा है. लड़की के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी को कंबल पर डिओड्रेंट स्प्रे करना पसंद था. डेथ सर्टिफेकिट में भी ऐरोसोल को इनहेल करना ही मौत का कारण बताया गया है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो डिओड्रेंट्स से किसी की मौत हो जाए, इसको कोई सीधा संबंध नहीं है.

डिओ के कारण किसी इंसान की मौत हो जाना बहुत दुर्लभ मामलों में गिना जाता है. हालांकि, अगर बहुत लंबे समय तक डिओ को इनहेल किया जाए तो एंटीपर्सपिरेंट्स और डिओड्रेंट्स में पाए जाने वाले केमिकल्स आपके पेट और आंतों में समस्या खड़ी कर सकते हैं. इससे उल्टी या हल्के दस्त भी लग सकते हैं. इसके अलावा खांसी और रेस्पिरेटरी प्रोब्लम्स भी हो सकती हैं.

अगर किसी को अस्थमा है तो डिओ की तेज खुशबू से उसे अस्थमा अटैक आ सकता है, जो मरीज के लिए जानलेवा साबित होगा. ये भी तब संभव है, जब डिओ को बंद में स्प्रे किया जाए. कभी-कभी डिओ स्टैंडर्ड्स के मुताबिक नहीं होते हैं, जिससे Acute Respiratory Distress Syndrome जैसी समस्या हो सकती है. यह ध्यान रखना जरूरी है कि तेज सुगंध वाले डिओ के बार-बार संपर्क में आने ये खतरनाक साबित हो सकते हैं. इसका सबसे ज्यादा खतरा एलर्जी वाले लोगों को होता है.

विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों को वाहन चालक संघ ने दिया समर्थन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 7 फरवरी। विधानसभा से बर्खास्त कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए मंगलवार को अखिल भारतीय राजकीय वाहन चालक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप कुमार मौर्य व राजकीय वाहन चालक महासंघ उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष योगेश उपाध्याय धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बर्खास्त कर्मचारियों को अपना समर्थन देते हुए कहा कि राष्ट्रीय वाहन चालक महासंघ तथा राज्य वाहन चालक महासंघ कर्मचारियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है।

विधानसभावार द्वितीय चरण स्टेज-2 सड़कों की हुई समीक्षा

उन्होंने कहा कि 7 साल तक विधानसभा सचिवालय में संपूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने के बाद जिन कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था उन्हें बाहर कर देना कहीं ना कहीं दुखद है, कर्मचारियों के साथ अन्याय है। राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप कुमार मौर्य ने कहा कि कर्मचारियों को आज इस तरह सड़क के किनारे बैठे देखकर उन्हें बड़ा कष्ट हो रहा है।

कर्मचारियों के सामने आज रोजी रोटी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बच्चों की स्कूल, कॉलेज की फीस, बैंक लोन की किस्तें तथा मकान का किराया देने में किस तरह की दिक्कतों का सामना इन कर्मचारियों को करना पड़ रहा है, एक कर्मचारी होने के यह सोचकर ही बड़ा दुख होता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पूर्व में विधानसभा सचिवालय में

कर्मचारियों का भी नियमितीकरण किया गया है उसी तरह इन कर्मचारियों को भी विनियमित किया जाना चाहिए था, लेकिन भेदभाव करते हुए इन्हें बाहर कर देना अन्याय पूर्ण है। जो व्यवस्था विधानसभा ने नियुक्ति की बनाई उसी व्यवस्था के तहत यह कर्मचारी विधानसभा में आए, ऐसे में इन कर्मचारियों का कोई दोष नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री को इन कर्मचारियों की मांगों पर गौर करते हुए इनकी पारिवारिक तथा आर्थिक स्थिति को देखते हुए इन्हें पुनः सेवा में बहाल करना चाहिए। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि जल्द ही वे इस संबंध में मुख्यमंत्री तथा विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कर्मचारियों के पुनः बहाली का अनुरोध करेंगे।

वहीं राजकीय वाहन चालक महासंघ उत्तराखंड के अध्यक्ष योगेश उपाध्याय ने भी कर्मचारियों को अपना समर्थन देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के बाद से वर्तमान तक जब विधानसभा में नियुक्ति की प्रक्रिया एक जैसी है तो फिर कार्रवाई में इस तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए था। यह प्रक्रिया की खामी है, इसका दंड निर्दोष कर्मचारियों को नहीं मिलना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री को उनके परिवारों के बारे में सोचना चाहिए उनके बच्चों के बारे में सोचना चाहिए कि उनका भविष्य कैसे सुरक्षित हो सकता है। 6 से 7 साल की सेवाएं कोई छोटी सेवा नहीं है। इन कर्मचारियों ने समर्पित भाव से विधानसभा में अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। आज जिस संकट से यह कर्मचारी गुजर रहे हैं, उसकी कल्पना मात्र से ही बड़ा कष्ट हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को और विधानसभा अध्यक्ष को बैठकर इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए।

आयुक्त गढवाल मण्डल की अध्यक्षता में हुई चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फरवरी। चारधाम यात्रा की तैयारियों को लेकर आयुक्त गढवाल मण्डल/अध्यक्ष यात्रा प्रशासन संगठन ने सुशील कुमार की अध्यक्षता में नगर निगम सभागार ऋषिकेश में प्रथम वृहत्त स्तरीय बैठक आयोजित की गई। आयुक्त/ अध्यक्ष यात्रा प्रशासन संगठन ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी विभागों को 31 मार्च से पहले तैयारियों को पूर्ण करने के निर्देश दिये। कहा कि पिछले यात्रावर्ष रिकार्ड 46 लाख तीर्थयात्री चारधाम पहुंचे इस यात्रा वर्ष अधिक तीर्थ यात्रियों के पहुंचने की उम्मीद है तीर्थयात्रियों की यात्रा सरल सुगम रहे इसलिए यात्रा को रेगुलेट किया जाना जरूरी है इसके लिए यात्रियों के आनलाइन/ आफलाईन पंजीकरण की व्यवस्था को लागू किया जायेगा। साथ ही जिलाधिकारियों को जोशीमठ के समीपवर्ती क्षेत्रों में आवास व्यवस्था,यात्रा मार्गों के सुदृढ़ीकरण,पैदल मार्ग सुरक्षात्मक उपाय, लैण्डस्लाईड आदि संवेदनशील जोन में जेसीबी तैनात करने, सफाई व्यवस्था बनाये रखने, चारों धामों हेतु स्वास्थ्य सुविधाओं, मार्गों के सुधार हेतु धनराशि की मांग,प्रत्येक धाम में केरिंग कैपिसिटी तय करने, यमुनोत्री मार्ग सुदृढ़ीकरण, केदारनाथ मार्ग पर साफ सफाई, घोड़े खच्चरों का पंजीकरण, सहित समस्त जिलाधिकारियों से यात्रा सीजन 2022 का उपयोगिता पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। परिवहन विभाग को संयुक्त रोटेशन की स्थापना सहित चारधाम यात्रा पर जानेवाली बसों की संख्या 15 मार्च तक तय कर दिये जाने, वाहनों की फिटनेश,ग्रीन कार्ड,यात्रा प्रशासन को प्रतिदिन वाहनों की संख्या की सूचना उपलब्ध करवाने, बसों की कमी होने पर बीस दिन पहले सूचित करने, ट्राजिट कैंप में चार धाम यात्री सहायता केन्द्र को यात्रा से एक सप्ताह पहले सक्रिय करने, हेतु परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया।

पार्किंग, डेंजर जोनों पर सूचना पट लगाने, मार्ग अवरूद्ध होने पर इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले लगाने, सडक्रो को गड्डा मुक्त करने डामरी करण हेतु बीआरओ,लोक निर्माण विभाग,एनएचएआई, राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया कि 31मार्च 2023 से पहले ब्लास्टिंग कार्य पर रोक लगाने के निर्देश दिए। पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल केएस नगन्याल ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान एसडीआरएफ, गोताखोर,ट्रेफिक पुलिस व्यवस्था, चारों धामों में वाहनो की संख्या निर्धारित करने, ट्रैफिक व्यवस्था हेतु नोडल अधिकारी तैनात किये जायेंगे उन्होंने कहा कि चार धाम यात्रा में कानून व्यवस्था चाक-चैबंद रहेगी। स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सकों की तैनाती,जीवन रक्षक दवाइयों, उपकरण, आक्सीजन सिलेंडर एंबुलेंस, एअर एंबुलेंस की ब्यवस्था, केदारनाथ एवं यमुनोत्री में कार्डियोलॉजिस्ट तैनाती,यात्रा बस टर्मिनल ऋषिकेश में यात्री चिकित्सा केंद्र, चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य निरीक्षकों की तैनाती के निर्देश दिए गये। निकायों, पंचायतों द्वारा यात्रा मार्ग पर सफाई, पालीथीन का प्रयोग न करने हेतु अभियान,शुलभ इंटरनेशनल सोशियल सर्विस आर्गनाइजेशन द्वारा सुलभ शौचालयों में पेयजल आपूर्ति तथा स्वच्छता बनाये जाने, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद द्वारा दिये निर्दशौं के अनुपालन में स्थायी एवं मोबाइल टायलेटों का निर्माण,बिजली, पानी की ब्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कहा गया। उत्तराखंड जल संस्थान पेय जल आपूर्ति करने ता पेयजल सुविधा की सूचना साईन बोर्ड के माध्यम से दिये जाने यात्रा मार्गो पर पेयजल आपूर्ति हेतु स्थापित स्टेंड पोस्टों की रंगाई, पुताई के निर्देश दिए गये, उत्तराखंड पावर कारपोरेशन को चारधाम में विद्युत आपूर्ति तथा उरेडा द्वारा विद्युत आपूर्ति हेतु अतिरिक्त जेनरेटर की व्यवस्था के निर्देश दिए गये। खाद्यान्न विभाग को यात्रा रूट पर खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था,पैट्रोल, डीजल,गैस सिलेंडरों की पर्याप्त व्यवस्था हेतु तथा भारत संचार निगम लि को चारों धामों तथा हेमकुंट साहिब में बेहत्तर दूर संचार व्यवस्था,फ्रीक्वेंसी, मोबाईल टावरों के सुचारू संचालन, उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद द्वारा चारधाम यात्रा पर जानेवाले यात्रियों के जिलों में पंजीकरण काउंटर बनाये जाने, आनलाईन आफ लाईन वैरिफिकेशन काउंटरों की 10अप्रैल से पहले स्थापना, तथा पंजीकरण शुरू करने हेतु तिथि तय करने यात्रा सुविधाओं का प्रचार-प्रसार, चारधाम बुकलेट एवं मैप का प्रकाशन तथा गढ़वाल मंडल विकास निगम को पर्यटक आवास गृहों की मरम्मत, साफ सुथरी आवास व्यवस्था तथा केदारनाथ में अतिरिक्त टेंट कालोनियों के निर्माण के निर्देश दिये गये।

नरेंद्रनगर में हुआ तहसील दिवस का आयोजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई टिहरी, 7 फरवरी। आयुक्त गढ़वाल मण्डल सुशील कुमार की अध्यक्षता नरेंद्रनगर में तहसील दिवस का आयोजन किया गया। तहसील दिवस में आम लोगों की 21 शिकायतें सामने आई। जिनका मौके पर सम्बंधित अधकारियों की मदद से निस्तारण किया गया। अधिकांश शिकायतें सडक्रों से सम्बंधित रही। बैठक में आयुक्त सुशील कुमार ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में पंजीकृत शिकायतों को गंभीतरता से लेते हुए तय समय के भीतर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। कोई भी शिकायत अधिकारियों के स्तर पर लंबित न रहे। सड़क के कुछ प्रकरण काफी पुराने हैं, उनको गहनता से देखते हुए रिपोर्ट उपलब्ध करायें। आयुक्त ने सीडीओ मनीष कुमार को प्रकरणों की निरन्तर मानिटरिंग कर मासिक रिपोर्ट उपलब्ध कराना सुनिश्चित के निर्देश दिए। तहसील दिवस में रणवीर सिंह नेगी निवासी ग्राम भैंसर्क ने शिकायत की कि हिण्डोलाखाल-सोनी-सरोली-भैंसर्क मोटर मार्ग के विभिन्न स्थानों पर बरसाती स्लिप आने के कारण मार्ग अवरूद्ध है, जिस पर गढ़वाल आयुक्त ने ईई पीएमजीएसवाई नरेन्द्रनगर को एक सप्ताह में शिकायत का निस्तारण करने के निर्देश दिये।

चमोल गांव निवासी जुगल किशोर बहुगुणा ने चमोल गांव मोटर मार्ग के डामरीकरण व पेंटिंग करवाने तथा सड़क से क्षतिग्रस्त पाईप लाइन की मरम्मत करवाने की शिकायत की। आयुक्त ने ईई लोनिवि नरेन्द्रनगर एवं पीएमजीएसवाई को निर्देशित किया कि प्रकरण को राज्य योजना में प्राथमिकता पर प्रस्तावित कर शीघ्र निस्तारिण करें। डौंर गांव निवासी रामपाल सिंह भण्डारी ने 2011 की आपदा में के तहत भवन निर्माण हेतु आंवटित भूमि का आंवटित करवाने का अनुरोध किया। जिस पर एसडीएम नरेन्द्रनगर को आवश्यक कार्यवाही कर प्रकरण को निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। लमियाली क ग्रामवासियों ने ग्राम बेमर-लमियाली के सम्पर्क मार्ग को स्थान बेमर से सार्वजनिक रास्तों के अतिक्रमण हटाकर खुलाने की मांग की। मामले में डीएम टिहरी को आवश्यक कार्यवाही को कहा गया।

वाचस्पति रयाल ने हिंडोला-नाई-मंडेरी गांव-बुगाला लिंक रोड का काफी समय से डामरीकरण न होने की शिकायत की। जिस पर डीएम को जांच करने के निर्देश आयुक्त ने दिए। मुनिकीरेती निवासी सुशील धीमान ने किरायेदारी से संबंधित समस्या, ग्राम सल्डोगी के कुंवर सिंह ने कास्तकारों के दाखिला अपत्ति सम्बन्धी, पूर्व प्रधान आनन्द सिंह ने ग्राम स्यूड दुआधार-ग्वाड मोटर मार्ग और सल्डोगी-फर्त मोटर मार्ग निर्माण सम्बन्धी, ग्राम डागर खर्की के धनवीर सिंह ने डागर-सोनी मोटर मार्ग डामरीकरण, ग्राम अदवानी की सुमित्रा देवी ने शौचालय बनवाने की मांग की। जिन्हें लेकर सम्बंधित अधिकारियों को कार्यवाही समय से करने के निर्देश दिए गये। इस मौके पर डीएम डा सौरभ गहरवार, सीडीओ मनीष कुमार, डीएफओ वीके सिंह, डीडीओ सुनील कुमार, एसडीएम नरेन्द्रनगर देवेन्द्र नेगी, सीएओ अभिलाषा भट्ट, सीइओ एलएम चमोला, सीवीओ आशुतोष जोशी, जीएम डीआईसी महेश प्रकाश, डीपीआरओ एमएम खान, डीटीडीओ अतुल भण्डारी, एआरटीओ चक्रपाणी मिश्रा आदि मौजूद रहे।

इन 5 सिद्धांतों से आप सक्सेसफुल इंसान बन सकते हैं : अलबर्ट आइंस्टीन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , फिजिक्स की सबसे अहम इक्वेशन यानी $E=mc^2$ को बनाने वाले महान सांइटिस्ट अलबर्ट आइंस्टीन को विश्व के सबसे तेज दिमाग वाले लोगों में शुमार किया जाता है। उन्होंने साइंस के साथ लाइफ को लेकर भी कुछ रूल्स बताए थे, जिस पर चलकर लोग अपनी लाइफ में सक्सेसफुल इंसान बन सकते हैं। आइंस्टीन के बताए हुए रूल्स को लोग फॉलो भी करते हैं और सक्सेसफुल भी बनते हैं। आइये जानते हैं कि उन्होंने लाइफ को लेकर क्या रूल्स सेट किये थे। जो काफी अहम माने जाते हैं। उनके बताए 5 रूल्स को बड़े-बड़े बिजनेसमैन से लेकर सेलिब्रिटीज भी फॉलो करते हैं। आइये जानते हैं उनके लाइफ के रूल्स-

महान साइंटिस्ट अलबर्ट आइंस्टीन ने बताया है कि अपनी सक्सेस के सीक्रेट को किसी से शेयर ना करें। ये काफी प्राइवेट चीज हैं। अगर आपने अपनी सक्सेस सीक्रेट शेयर कर दिया और दूसरे लोगों ने उसे फॉलो किया, अगर आपकी सफलता के सीक्रेट से उसको फायदा नहीं हुआ तो फिर आप पर ही इल्जाम लगाएगा कि आप ने झूठ बोला था, जैसे आप ने सफलता पाई है, उन तरीकों से

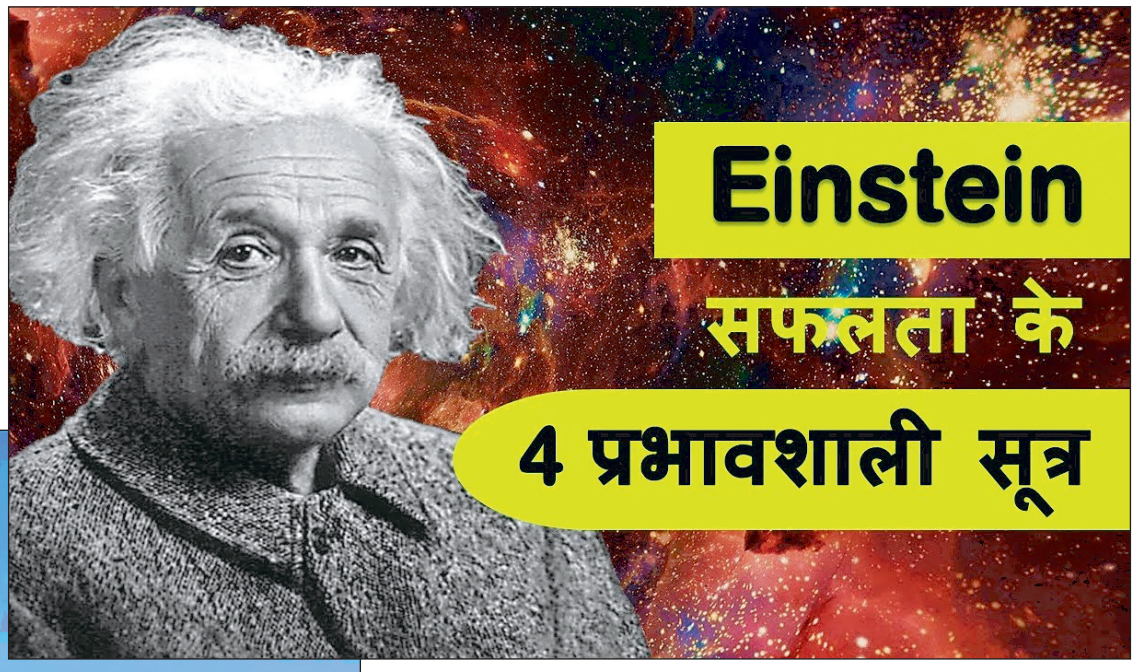

नहीं मिल सकती है। वो आपको झूठा साबित करने में लग जाएगा।

अपनी परेशानियों को अपने तक ही सीमित रखें। क्योंकि आप जब दूसरों को बताना शुरू करते है तो आपकी प्रॉबलम और बढ़ जाती है। आपकी परेशानी का हल ना निकाल कर लोग मजाक बनाना शुरू कर देते है। आपको प्रॉबलम में देखकर लोग आपका फायदा भी उठा लेते है। आप जिसको अपनी बात बता रहे हैं, वो उस आपके दुख को अपना दुख बताएगा लेकिन वहीं शख्स आप के जानें के बाद मजाक बनाता है। अगर आपकी समस्या बीमारी से संबंधित है तो आप सिर्फ अपने डॉक्टर, थेरेपिस्ट से ही शेयर करें। ये काफी प्राइवेट होती है। अपनी प्रॉबलम्स को खुद सॉल्व करना सीखें।

आपने अपनी लाइफ में जो भी गोल्स और ड्रीम्स सेट किये हैं, जब तक वो पूरे ना हों किसी से ना शेयर करें। क्योंकि लोग साथ कम देते हैं, मजाक ज्यादा बनाते हैं। अगर आप अपने ड्रीम को पूरा करने में वक्त पर असफल रहते हैं तो लोग सिर्फ और सिर्फ आपको लूजर ही बोलेंगे। आप उनके जोक्स का हिस्सा बन जाएंगे, इसलिए गोल अचीव करने से पहले किसी को ना बताएं।अपने पर्सनल फाइनेंस की चर्चा किसी से ना करें। अपनी कमाई, अपनी सेविंग के बारें में किसी के सामने खुलासा ना करें। अपने फाइनेंस के फ्यूचर की प्लानिंग में किसी को ना बताएं। आप सिर्फ अपने बैंकर, फाइनेंसर या रिलेटेड अथॉरिटी से ही शेयर करें। किसी अंजान शख्स को बताने की गलती ना करें।अपने घर की बातें, परिवार से संबंधित परेशानियां, घर में होने वाली बातें किसी से नहीं शेयर करनी चाहिए। खासतौर से पति अपनी पत्नी की, और पत्नी अपने पति से रिलेटेड कोई भी बात किसी दूसरे शख्स से ना शेयर करे। अगर पति और पत्नी में लड़ाई होती हैं तो ये बात पब्लिक में नहीं करनी चाहिए, बल्कि आपस में बैठकर निपटाना चाहिए। नहीं तो आपका रिश्ता कमजोर पड़ता जाएगा। परिवार की बातें किसी से न करें।

अब व्हाट्सअप मैसेज लिखना नहीं पड़ेगा 1 Great Facts

न्यूज वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , आप और हम रोजाना कई मिनट व्हाट्सअप चैटिंग में बिता देते हैं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। पॉपुलर चैटिंग ऐप का इस्तेमाल करना रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। फैमिली, दोस्तों, रिश्तेदारों से बातें करने के अलावा चैटिंग के इस ऐप के जरिए वर्क प्लेस पर भी बहुत से काम होते हैं। ऐसे में कई बार आप रास्ते में हों और ऑफिस के ग्रुप से किसी अर्जेंट मैसेज का रिप्लाई करना आसान हो गया है।

रास्ते में चलते हुए या बाइक में सवार होने पर वॉट्सऐप से मैसेज टाइप करना मुश्किल है लेकिन इस ट्रिक की मदद से आपका काम बेहद आसान हो सकता है। आपको व्हाट्सएप पर मैसेज टाइप करने के लिए उंगलियों का इस्तेमाल करने की जरूरत भी नहीं होगी। जी हां, वॉट्सऐप यूजर वर्चुअल असिस्टेंट की मदद से मैसेज सेंड कर सकते हैं। आइए फटाफट जानते हैं, एंड्रॉइड और आईफोन यूजर के लिए ये ट्रिक कैसे काम करेगी।

सबसे पहले स्मार्टफोन में गूगल

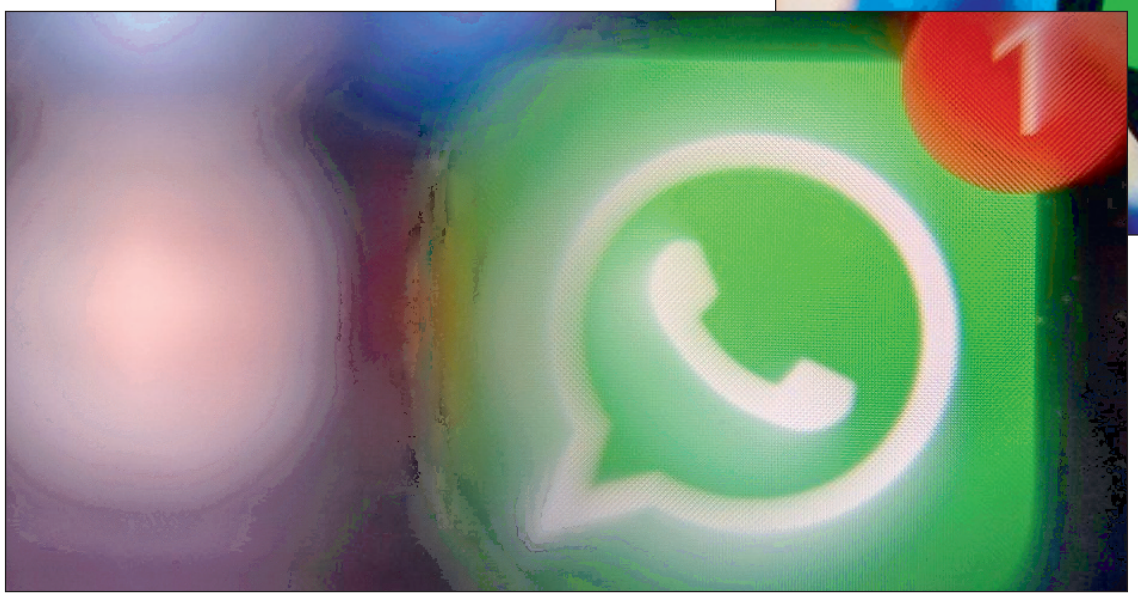

असिस्टेंट ऐप को एक्टिवेट करना होगा, इसके लिए ऐप ओपन कर Hey Google बोलना होगा। वर्चुअल असिस्टेंट के रिस्पॉन्स के बाद आप व्हाट्सएप पर किसी पर्सन और ग्रुप में मैसेज बोल कर सेंड कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप सभी कॉन्टैक्ट्स की जानकारी सही नाम के साथ सेव रखें, ताकि गलत जगह मैसेज ना जाए। एक बार पूरा मैसेज और पर्सन जिसे भेजा जाना है, की जानकारी जांच लें उसके बाद इसे Okay Send It कहकर प्रोसेस कर सकते हैं। आईफोन यूजर वॉट्सऐप पर मैसेज सेंड करने के लिए ऐसे करें वर्चुअल असिस्टेंट का इस्तेमाल

इसके लिए सेटिंग में जाना होगा, Siri and Search पर क्लिक कर, टोगल को ऑन करना होगा।अब ऐप्स पर जाकर WhatsApp पर क्लिक करना होगा। यहां Use With Ask Siri टोगल ऑन करना होगा। इसके बाद आसानी से WhatsApp पर बिना टाइप किए आप कॉन्टेक्ट्स को मैसेज सेंड कर सकते हैं।

पूर्व मंत्री हरक सिंह ने जताई हरिद्वार से लोस चुनाव लडऩे की इच्छा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ऋषिकेश, 7 फ़रवरी। विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के चाय पर चर्चा कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत ने धामी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि धामी किस काम से धाकड़ जिनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार और घोटालों की बाढ़ आ गई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2024 में होने वाले निकाय और लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट होने का आह्नान किया। उन्होंने हरिद्वार सीट से लोकसभा चुनाव लडऩे की इच्छा भी जताई।

मंगलवार को रेलवे रोड स्थित एक होटल में ऋषिकेश महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश मियां की अध्यक्षता और पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सुधीर राय रावत के संचालन में आयोजित चाय पर चर्चा कार्यक्रम में पूर्व मंत्री हरक सिंह ने आरोप लगाया कि प्रदेश की भाजपा सरकार के राज में भ्रष्टाचार चरम पर है। ना महिलाएं सुरक्षित हैं और ना ही आमजन। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपरों के लीक होने के कारण युवा सडक़ों पर उतरने को मजबूर है। आरोप लगाया कि धामी सरकार के कार्यकाल में सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने हरिद्वार लोकसभा से चुनाव लडऩे की इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि टिकट देने में हाईकमान का निर्णय ही सर्वोपरि रहेगा। उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी ही विजय होंगे, क्योंकि राज्य की जनता भाजपा के कारनामों से निजात पाना चाहती है।

एकजुटता से चुनाव नहीं लडऩे पर जताई चिंता: ऋषिकेश। चाय पर चर्चा कार्यक्रम में कांग्रेसियों ने निकाय से लेकर विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार की मुख्य वजह एकजुटता नहीं होना बताया। आगे भी चुनाव में एकजुटता नहीं होने पर चिंता जताते हुए कहा कि आज राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस मजबूत हो रही है, लेकिन शीर्ष पदाधिकारी एक-दूसरे की टांग खिंचाई में लगे रहते हैं। इसे रोकना होगा, तभी कांग्रेस की सत्ता पर वापसी संभव है। वरिष्ठ कांग्रेसियों को आपसी गिले-शिकवे दूर कर कांग्रेस के झंडे के तले आकर सभी को चुनाव प्रतिष्ठा से जोडक़र लडऩे की आवश्यकता है।

कार्यक्रम में यह रहे मौजूद: कार्यक्रम संयोजक राकेश अग्रवाल, श्यामपुर ब्लॉक अध्यक्ष विजयपाल रावत, रायवाला मंडल के अध्यक्ष गोकुल चंद रमोला, छात्र संघ अध्यक्ष साक्षी तिवारी, प्रदेश महामंत्री राजपाल खरोला, नगर पंचायत जौंक अध्यक्ष माधव अग्रवाल, पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष दीप शर्मा, पार्षद मनीष शर्मा, गुरविंदर सिंह, राधा रमोला, विजयलक्ष्मी शर्मा, संजय गुप्ता, अरविंद जैन, प्रदीप जैन, प्यारेलाल जुगरान, बृजपाल राणा, सरोज देवराड़ी, मधु जोशी, विशाल कक्कड़, शिव प्रसाद भट्ट, ललित मोहन मिश्रा, अभिनव मलिक, मदनमोहन शर्मा, लल्लन राजभर, छात्र संघ की अध्यक्ष साक्षी तिवारी, लल्लन राजभर, सतीश रावत, मनोज गुसाईं, कृपाल सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सपत्नी श्री दरबार साहिब में टेका मत्था

श्री गुरु राम राय मेडिकल कॉलेज के लंबित फीस प्रकरण मामले पर सरकार जल्द लेगी निर्णय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 7 फ़रवरी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने श्री दरबार साहिब में सपत्नीक मत्था टेका । उन्होंने श्री दरबार साहिब के श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज से शिष्टाचार भेंट की व प्रदेश की स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बातचीत की। श्रीमहंत देवेन्द्र दास जी महाराज ने उन्हें श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल की ओर से किए जा रहे कार्यों से अवगत करवाया। स्वास्थ्य मंत्री ने श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एण्ड हैल्थ साइंसेज की प्रतीक्षारत फीस निर्धारण मामले के निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने कहा कि सरकार श्री गुरु राम राय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एण्ड हेल्थ साइंसेज़ की लंबित फीस प्रकरण के निर्धारण के बारे में जल्द ही निर्णय लेगी। उन्होंने मेडिकल पीजी सीटों की संख्या में बढ़ोत्तरी की बात भी कही। पीजी सीटों की संख्या बढ़ोत्तरी होने से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने क्षय रोग को वर्ष 2025 तक समाप्त किए जाने के संकल्प को दोहराते हुए श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल को क्षय रोग

■ स्वास्थ्य मंत्री ने पीजी सीटों की संख्या बढ़ाए जाने की बात कही

निवारण के लिए राजकीय प्रोजेक्ट दिए जाने की बात कही। उन्होने राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में सफलतापूर्वक संचालन पर हर्ष व्यक्त किया व श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में टी.बी. प्रोजेक्ट दिए जाने की बात कही। टिहरी की भांति श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल में भी मोतियाबिन्द केन्द्र स्थापित होगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के द्वारा आयुष्मयान योजना के अन्तर्गत मरीजों को दिए जा रही सराहनीय सेवाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की। श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के द्वारा जिला अस्पताल पौड़ी कल्स्टर को पीपीपी मोड पर चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने जिला अस्पताल पौड़ी का उल्लेख करते हुए श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल की सेवाओं को पौड़ीवासियों के लिए बड़ी राहत बताया।

केदारनाथ हाईवे पर कुंड-गुप्तकाशी का होगा ट्रीटमेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रप्रयाग, 7 फ़रवरी। केदारनाथ हाईवे कुंड-गुप्तकाशी के बीच यात्रा सीजन शुरू होने से पहले ठीक कर दिया जाएगा। इसके लिए एनएच लोनिवि द्वारा योजना तैयार कर ली गई है। सेमी-भैंसारी सिंकिंग जोन का भी ट्रीटमेंट किया जाएगा ताकि सीजन के दौरान यात्री वाहनों की आवाजाही में किसी तरह की दिक्कतें पेश न हो। केदारनाथ हाईवे का चौड़ीकरण कार्य अब भी किया जा रहा है। हालांकि कुंड से पहले ही बाईपास पर कार्य कुछ समय बाद फिर से शुरू हो जाएगा, किंतु जब तक यह कार्य पूरा नहीं होता, यात्रा सीजन में कुंड-गुप्तकाशी मार्ग के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसलिए एनएच लोनिवि साढ़े 6 किमी के इस पैच को बेहतर करने की तैयारी में है। यात्रा सीजन के दौरान कुंड से गुप्तकाशी के बीच जाम की सबसे बड़ी समस्या बनी रहती है जबकि हाईवे की खराब स्थिति भी यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा देती है। अब, एनएच लोनिवि आगामी यात्रा सीजन से पहले सेमी भैंसारी सिंकिंग जोन की सुरक्षा के साथ ही कुंड से गुप्तकाशी तक हाईवे को बेहतर करेगी। इससे यात्रा सीजन के दौरान यात्री वाहनों को आवाजाही में सुविधा मिलेगी। एनएच लोनिवि के ईई राजवीर सिंह ने बताया कि 99.13 लाख की धनराशि से कुंड-गुप्तकाशी हाईवे का ट्रीटमेंट किया जाएगा। सबकुछ योजना के अनुसार रहा तो 15 दिनों के भीतर कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। नदी किनारे से जहां भू धंसाव हो रहा है वहां का ट्रीटमेंट करते हुए सडक़ को बेहतर किया जाएगा।

संपादकीय

रक्षा उद्योग में वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के सबसे बड़े हेलीकॉप्टर निर्माण संयंत्र के उद्घाटन के साथ भारत ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में लंबी छलांग लगायी है. कर्नाटक के बंगलुरु के निकट स्थित इस संयंत्र में आगामी दो दशकों में एक हजार से अधिक हेलीकॉप्टरों का उत्पादन होगा. इस पूरे कारोबार का आकार चार लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है. प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत बनाने के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह बहुत बड़ी पहल है. उल्लेखनीय है कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित होने वाले इस बहुपयोगी हेलीकॉप्टर का डिजाइन और इसकी तकनीक देश में ही विकसित किये गये हैं. प्रारंभ में लगभग 30 हेलीकॉप्टर बनाये जायेंगे और चरणबद्ध तरीके से इनकी संख्या पहले 60 और फिर 90 के आसपास की जायेगी. पहले हेलीकॉप्टर का सफल परीक्षण भी किया जा चुका है. इस संयंत्र की आधारशिला 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने ही रखी थी. जानकारों का मानना है कि महामारी की बाधा नहीं आती, तो इसे पहले ही शुरू किया जा सकता था. बीते कुछ वर्षों से केंद्र सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में यह लक्ष्य भी शामिल है कि रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों से होने वाले आयात पर निर्भरता को घटाया जाए. इस क्षेत्र में निजी उपक्रमों की भागीदारी बढ़ाने के साथ विदेशी कंपनियों के साथ संयुक्त उपक्रम लगाने एवं विदेशी निवेश लाने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं. रक्षा मंत्रालय ने सैकड़ों ऐसी वस्तुओं की सूची तैयार की है, जिनकी खरीद केवल देश में ही की जा सकती है. यह भी गौरव की बात है कि भारत हथियारों और सैन्य वस्तुओं का निर्यात भी व्यापक पैमाने पर कर रहा है. वर्ष 2017 और 2021 के बीच भारत का रक्षा निर्यात 1,520 करोड़ रुपये से बढ़कर 8,435 करोड़ रुपये हो गया. इस क्षेत्र के विकास की गति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2021-22 में निर्यात का आंकड़ा 14 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया. आत्मनिर्भर भारत बनाने के प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान में यह संकल्प भी निहित है कि देश की आवश्यकताओं के लिए तो देश में उत्पादन तो होगा ही, लेकिन इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उपलब्ध कराया जायेगा. इससे आयात पर निर्भरता में कमी के साथ लागत का खर्च भी घटेगा. साथ ही, हम देश के सीमावर्ती क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप हथियार बना पायेंगे. हल्के टैंकों और हेलीकॉप्टरों को नदी क्षेत्र तथा लद्दाख जैसे दुर्गम इलाकों में भी तैनात किया जा सकेगा.

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पॉपुलर मुस्लिम लड़कियों के नाम और उनका मतलब जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फ़रवरी , आपके घर में एक प्यारी सी बच्ची की पैदाइश हुई है, और आप उसका अच्छा और खूबसूरत सा नाम जो कुरान और पैगम्बर मुहम्मद साहब के बताए हुए मतलब से हो, चाहते हैं, जो सबसे ज्यादा अहमियत वाला हो। बेटियों का नाम हमेशा अच्छे मीनिंग वाला होना चाहिए। जिसका बेटी की लाइफ पर अच्छा असर हो। इस्लाम में ये माना जाता है कि नाम के मायने पॉजिटिव और दीन-दुनिया में मान-सम्मान दिलाने वाले होने चाहिए।

इस्लाम धर्म के अनुसार, नाम का बच्चों की पर्सनालिटी पर बहुत असर होता है। इसलिए बेटियों के नाम हमेशा कुरान की आयतों से निकाले जाते हैं। जिसके मायने गहरे और कामयाबी की ओर ले जाने वाले होते हैं। यहां पर हम बेटियों के इस्लामिक नाम और कुरान में उसका मतलब क्या है, बता रहे हैं। जिसमें कुछ नाम प्रोफेट मोहम्मद साहब की बीवियों, साहबियों और इस्लामिक हिस्ट्री की पवित्र महिलाओं के नाम पर हैं। इसके साथ ही कुछ नाम आज के वक्त में ट्रेंडिग नाम रखे जा रहे हैं, उनके बारें में भी बता रहे हैं।

Muslim Baby Girl Names: मुस्लिम लड़कियों के नाम और उनका मतलब

आबिदह	Aabidah	इबादत करने वाला
आयशा	Ayesha	पैगम्बर मोहम्मद साहब की बीवी का नाम
बुशरा	Bushra	अच्छी खबर
फरीहा	Fariha	खुशी
फातिमा	Fatima	दिलकश
आमिरा	amira	खुशहाल जिंदगी से भरपूर

Muslim Baby Girl Names: मुस्लिम लड़कियों के नाम और उनका मतलब

आबिदह	Aabidah	इबादत करने वाला
आयशा	Ayesha	पैगम्बर मोहम्मद साहब की बीवी का नाम
बुशरा	Bushra	अच्छी खबर
फरीहा	Fariha	खुशी
फातिमा	Fatima	दिलकश
आमिरा	amira	खुशहाल जिंदगी से भरपूर

प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिये जो भी शिकायतें मिले उन पर हो त्वरित कार्यवाही : सीएम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फ़रवरी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सर्किट हाउस काठगोदाम में अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के लिये जो भी शिकायतें लोगों द्वारा की जाती है उन पर त्वरित कार्यवाही की जाय। उन्होंने कहा कि जन शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आयुक्त एवं आईजी को सख्त निर्देश दिये है कि जो भी भ्रष्टाचारी होगा उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का कोई भी नागरिक भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में टोल फ्री नम्बर 1064 पर जानकारी दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से उत्तराखण्ड में आने वाले बाहरी असामाजिक तत्वों पर रोक लगाना जरूरी है। इसके लिए पुलिस महकमे के साथ ही वन विभाग व अन्य विभागों को चौकन्ना रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा इसके लिए सघन चेकिंग अभियान समय-समय पर चलाये जांए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि अधिकारी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी एवं तत्परता से करें। जन समस्याओं का निराकरण अपना दायित्व समझें। उन्होंने कहा कि कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। अधिकारी जनता एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर विकास कार्यों को गति दें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आम जनमानस के साथ ही जनप्रतिनिधियों के फोन अवश्य उठायें तथा लोगों को सकारात्मक रूप से सुनवाई कर समस्या का समाधान करें। उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि कोई भी विभाग अपनी जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर ना डाले। इससे कार्यों में विलम्ब होता है।

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों में धीमी गति से कार्य करने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की उन्होंने अधिकारियों से कहा कार्यों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश में विकास कार्यों के प्रोजेक्ट वन विभाग की आपत्तियों के कारण जो प्रोजेक्ट लम्बित है उन्हें सम्बन्धित अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सरलीकरण के साथ समाधान करें जिससे विकास कार्यों को गति मिल सकेगी।

बैठक में मुख्यमंत्री ने आयुक्त दीपक रावत को निर्देश दिये कि कुमाऊं मण्डल में होने वाले विकास कार्यों की मॉनिटरिंग की जाए कार्यों में कोताही व शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान अधिकारियों से कहा कि ग्राम स्तर की समस्यायें आम जनमानस की जिला स्तर पर ना आये इसके लिए जिलाधिकारी के साथ ही जनपद स्तरीय अधिकारी क्षेत्रों में जाकर लोगों के बीच उनकी परेशानियों से रूबरू हों ताकि क्षेत्रवासियों की समस्या का समाधान मौके किया जा सके। इसके लिए नोडल अधिकारियों के साथ ही जिला स्तरीय अधिकारी रोस्टर बनाकर क्षेत्रों में कैम्प का आयोजन करें। बैठक में मुख्यमंत्री को जनपद में हो रहे विकास कार्यों की प्रगति पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की गई। बैठक में अध्यक्ष जिला पंचायत बेला तोलिया, मेयर डा0 जोगेन्द्र पाल सिंह रौतेला, विधायक दीवान सिंह बिष्ट, रामसिंह कैडा, डा0 मोहन सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट के साथ ही आयुक्त दीपक रावत, आईजी नीलेश आन्नद भरणे, जिलाधिकारी धीराज सिंह गब्र्याल, एसएसपी पंकज भटट के साथ ही मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने की पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फ़रवरी। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने मंगलवार को सचिवालय में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने प्रदेश में पर्यटन को आर्थिकी को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड को प्रकृति ने पर्यटन की दृष्टि से बहुत अधिक समृद्ध बनाया है।

मुख्य सचिव ने पिछली बैठक के निर्देशों के अनुपालन में पर्यटन विभाग द्वारा की गई तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राफ्टिंग और कयाकिंग के लिए सर्वे करवा कर नए स्थानों का चिन्हीकरण कर राफ्टिंग और कयाकिंग को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने पैरा सेलिंग, वाटर बाइक, ऐरो पैरामोटर, ऐरो पैराग्लाइडिंग आदि गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के लिए स्पर्धाएं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। इनका प्रचार प्रसार भी किया जाए ताकि पर्यटक इनकी ओर आकर्षित हों।

मुख्य सचिव ने कहा कि टिहरी झील में हाउस बोट और क्रूज आदि के साथ ही फिक्स्ड

हॉट एयर बैलून की संभावनाओं को तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि हिमालय दर्शन योजना के अंतर्गत मंदाकिनी घाटी की खूबसूरती को एक्सप्लोर किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य सचिव ने एस्ट्रो टूरिज्म की दिशा में हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि उत्तराखण्ड का वातावरण इसके लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा कि बेनिताल एस्ट्रो विलेज की तर्ज पर आसपास अन्य एस्ट्रो विलेज पर तेजी से कार्य करते हुए चारधाम यात्रियों को इस और आकर्षित किया जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक जिले में कम से कम एक एस्ट्रो विलेज विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने रोपवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए, रोपवे परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने चारधाम यात्रा ऑफिस, मानसखंड कॉरिडोर के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने ट्रैकर्स और पर्वतारोहियों को रेडियो बैंड उपलब्ध कराए जाने हेतु व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के भी निर्देश दिए। कहा कि इस क्षेत्र में बहुत सी तकनीकें उपलब्ध हैं। उनका अध्ययन कर सबसे उपयुक्त वल्र्ड क्लास टेक्नोलॉजी का प्रयोग किया जाए।

कार्यस्थल पर महिलाओं हेतु सुरक्षित वातावरण बनाने को शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 7 फ़रवरी। डॉ0 आर0 एस0 टोलिया, उत्तराखण्ड, प्रशासन अकादमी, नैनीताल के सौजन्य से जनपद देहरादून के दून लाइब्रेरी सभागार हॉल में जनपद के विभिन्न विभागीय अधिकारियों हेतु कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन,रोकथाम,निषेध तथा निवारणद्ध अधिनियम 2013 के संदर्भ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं हेतु सुरक्षित वातावरण बनाने में समाज, कार्मिकों एवं कार्यालयाध्यक्षों की भूमिका पर विशेष प्रकाश डाला।

उन्होंने उपस्थित अधिकारियों का आह्वान किया गया कि कार्यस्थल पर इस प्रकार के वातावरण का सृजन किया जाय कि महिलाऐं सहज रूप से अपनी सम्पूर्ण क्षमता से कार्य कर सके। विशिष्ट अतिथि सुश्री झरना कमठान, मुख्य विकास अधिकारी, देहरादून,द्वारा जनपद के समस्त अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि अधिनियम में कार्यालयाध्यक्षों तथा कार्मिकों से अपेक्षित व्यवहार के सम्बन्ध में सभी कार्मिकों से चर्चा की जाय तथा उन्हें उक्त संदर्भ में संवेदीकृत किया जाय। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड, प्रशासन अकादमी, नैनीताल से प्रशिक्षक के रूप में डॉ0 मंजु ढौंडियाल,विशेष कार्याधिकारी व सुश्री पूनम पाठक, उप निदेशक, द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों को कार्यस्थल में महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिनियम के अन्तर्गत गठित विभिन्न समितियों के गठन कार्यकरण के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर0सी0तिवारी परियोजना निदेशक,जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, जिला पंचायतराज अधिकारी,समस्त खण्ड विकास अधिकारी,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/पंचायत,अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग,लघु सिंचाई सहित कुल 71 अधिकारियों/कार्मिकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। अपर मुख्य सचिव ने इस अवसर पर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले कार्मिकों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए।

ट्रेन में अब WhatsApp से ऑनलाइन खाना ऑर्डर कर सकेंगे यात्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 7 फरवरी , भारतीय रेलवे ने ट्रेन में सफर के दौरान अब व्हाट्सऐप से ऑनलाइन खाना ऑर्डर करने की नई सेवा शुरू की है। भारतीय रेलवे के पीएसयू, आईआरसीटीसी (भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम) ने रेल यात्रियों के लिए ई-कैटरिंग सेवाओं के माध्यम से भोजन ऑर्डर करने के लिए व्हाट्सऐप संचार शुरू किया। व्हाट्सऐप नंबर 91-8750001323 पर मैसेज या फोन कर यात्री ये सुविधा हासिल कर सकेंगे।

यात्रियों के लिए ई-कैटरिंग सेवाओं के सभी प्रश्नों को हैंडल करने के लिए रेलवे ने पावर चैटबॉट शुरू किया है। ताकि यात्रियों की पसंद के अनुसार उन्हें समय पर भोजन परोसा जा सके। हालांकि ये सुविधा अभी कुछ चुनिंदा ट्रेनों में ही यात्रियों को दी जाएगी। ग्राहकों के फीडबैक और सुझावों के आधार पर इसे अन्य ट्रेनों में भी लागू किया जाएगा। आईआरसीटीसी ने एक विशेष रूप से विकसित वेबसाइट के साथ-साथ अपने ई-कैटरिंग फूड ऐप के माध्यम से ई-कैटरिंग सेवाएं शुरू की हैं।

जानकारी के अनुसार शुरूआत में, व्हाट्सऐप संचार के माध्यम से ई-खानपान सेवाओं के कार्यान्वयन के दो चरणों की योजना बनाई गई थी। पहले चरण में, बिजनेस व्हाट्सऐप नंबर लिंक पर क्लिक कर ई-केटरिंग सेवाओं को चुनने के लिए ई-टिकट बुक करने वाले ग्राहक को एक संदेश भेजेगा। इस विकल्प के साथ, ग्राहक आईआरसीटीसी की ई-कैटरिंग वेबसाइट के माध्यम से सीधे स्टेशनों पर उपलब्ध अपनी पसंद के रेस्तरां से ऐप डाउनलोड करने की आवश्यकता के बिना अपनी पसंद का भोजन बुक कर सकेंगे।